केओईएलने ग्राहकों को 2000 से अधिक डीजी सेट की आपूर्ति की

तय तिथि के लागू होने से पूर्व सीपीसीबी II उत्सर्जन नियमों का पालन किया

पुणे, 2 जुलाई 2014 : सीपीसीबी (एमओईएफ) के संशोधित नियम 1 जुलाई 2014 से लागू होने वाले हैं, ऐसे में डीजल जनरेटिंग सेट बनाने वाली सभी कंपनियों को इन नियमों का पालन करने वाले जेनसेट की बिक्री करना अनिवार्य है। ये नियम 800 किलोवाट से कम के रेंज वाले डीजल पॉवर जेनसेट पर लागू होते हैं। इन नियमों में लगभग एक दशक बाद संशोधन किया गया है तथा वर्तमान समय में यह दुनिया के सबसे सख्त जेनसेट नियमों में शामिल हैं।

किर्लोस्कर ग्रीन जेनसेट का मांग से भरपूर भारतीय परिचालन एवं इस्तेमाल परिस्थितियों में दशकों का प्रमाणित ट्रैक रिकॉर्ड है। केओईएल के आरएण्डई इंजीनियर नये प्लेटफॉर्म के विकास के बजाय इन प्रमाणित प्लेटफॉर्म में सुधार का विकल्प अपनाते हैं। ऐसा करके केओईएल ने उपभोक्ताओं के लिए जटिलताओं और लागत को काबू करने पर जोर दिया है। केओईएल तय समयसीमा से पूर्व नये उत्सर्जन नियमों का अनुपालन करने वाले जेनसेट के साथ पूरी तरह तैयार है। कंपनी ने बाजार में पहले ही 2000 जेनसेट का वितरण किया है, जो नये उत्सर्जन दिशानिर्देशों के अनुरूप हैं। केओईएल ने चैनल साझीदारों एवं स्वयं के पास मौजूद पुराने वर्जन के भंडारण को समय पर खाली कर दिया है।

इस अवसर पर श्री संजीव निमकर, बिजनेस हेड, पॉवर जनरेशन ने कहा, नये उत्सर्जन नियमों का अनुपालन करने वाले डीजी सेट की कीमतें पुराने वर्जन की तुलना में 15–20 प्रतिशत अधिक होंगी। मुझे विश्वास है कि हम अपने प्रतिस्पर्द्धियों से आगे रहेंगे क्योंकि हमने अपने प्रमाणित इंजन प्लेटफॉर्म में सुधार किया है। इसलिये, किर्लोस्कर ग्रीन के प्रत्येक जेनसेट उत्सर्जन में कटौती के लिहाज से न सिर्फ अधिक पर्यावरण हितैषी होंगे, बल्कि अधिक ईंधन दक्ष भी होंगे। इनमें ईंधन की खपत कम होगी।

संशोधित सीपीसीबी नियमों का क्रियान्वयन करके केओईएल कम उत्सर्जन के साथ–साथ खपत की सबसे अनुकूल विधि काम में लेने के लिहाज से बहुमूल्य ईंधन की बचत करने में सरकार की पहल का अनुमोदन करता है। इस अवसर **पर पॉवर जनरेशन के विपणन प्रमुख श्री जय गांगल केओईएल** की इस अनूठी पेशकश के बारे में कहा कि सीपीसीबी 2 का अनुपालन करने वाले केओइएल के सभी डीजी सेट 50–100 प्रतिशत के लोड की इस्तेमाल रेंज में सर्वोत्कृष्ट ईंधन दक्षता उपलब्ध कराते हैं। इस खूबी के कारण ग्राहकों को अत्यधिक लाभ मिलेगा।

केओइएल के सीएफओ श्री टी. विनोद कुमार ने बताया कि मुश्किल बाजार परिस्थितियों के कारण हम पिछले 2 वर्षों से अपने उत्पादों की कीमतें बढ़ाने में समर्थ नहीं थे। कंपनी पर मुद्रास्फीति का अत्यधिक दबाव था। नयी तकनीक के कारण लागत में वृद्धि के मद्देनजर, अब जरूरी हो गया है कि इस लागत का बोझ बाजार पर डाला जाये।

कागल स्थित केओइएल के अत्याधुनिक संयंत्र में नये इंजनों का उत्पादन पूरे जोरशोर के साथ किया जा रहा है।

किर्लोस्कर ऑयल इंजन्स लिमिटेड के विषय में :

वर्ष 1946 में निगमित, केओईएल किर्लोस्कर ग्रुप की प्रमुख कंपनी है। केओईएल के भारत में चार अत्याधुनिक विनिर्माण संयंत्र हैं, जो विश्व–स्तरीय उत्पादों की पेशकश करते हैं। दुबई, दक्षिण अफ्रीका और कोरिया में कार्यालयों और नाइजीरिया में प्रतिनिधियों के साथ कंपनी ने अंतरराष्ट्रीय बाजारों में महत्वपूर्ण उपस्थिति दर्ज करा रखी है। केओईएल का मध्य पूर्व और अफ्रीका में सुदृढ़ वितरण नेटवर्क भी है। वर्तमान समय में, केओईएल डीजल इंजन, कृषि पंप सेट और जनरेटिंग सेट के उत्पादन में जानी–मानी कंपनी है। केओईएल को एयर–कूल्ड एवं लिक्विड–कूल्ड दोनों डीजल इंजन के उत्पादन में महारत हासिल है। यह 5केवीए से लेकर 5200केवीए के पॉवर आउटपुट की जेनरेटिंग सेट की व्यापक श्रृंखला का उत्पादन करता है। केओईएल बायोडीजल, प्राकृतिक गैस और स्ट्रेट वेजिटेबल ऑयल (एसवीओ) जैसे वैकल्पिक ईंधनों पर चलने वाले इंजन की भी पेशकश करता है। 'किर्लोस्कर ग्रीन' जेनसेट विद्युत उत्पादन उद्योग में ग्राहकों के बीच भारत का नंबर 1 और सबसे पसंदीदा ब्रांड है।